epaper
हिन्दुस्तान

500 अरब डॉलर का हरित ऊर्जा निर्यात संभव: मुकेश

24/02/2022

नई दिल्ली | एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बुधवार को कहा कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ा रहा भारत प्रौद्योगिकी उन्नयन के दम पर दुनिया में ऊर्जा का नया अगुवा बन सकता है।

साथ ही भारत अगले दो दशक में 500 अरब डॉलर मूल्य की हरित ऊर्जा का निर्यात करने की स्थिति में पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं उत्सर्जन-मुक्त ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने का काम रातोरात नहीं हो सकता है और कोयला एवं आयातित तेल पर भारत की निर्भरता अगले दो-तीन दशकों तक बनी रहेगी। रिलायंस समूह की कंपनियों में भी स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों की तरफ बढ़ा रहे अंबानी ने कहा, अगले दो-तीन दशकों में उत्सर्जन खत्म करने के लिए हमारे पास योजना होनी चाहिए। इस तरह हमें निकट भविष्य और मध्यम अवधि में निम्न-कार्बन और शून्य-कार्बन वाली रणनीतियों पर काम करना होगा। अंबानी ने आगे कहा कि नवीन एवं स्वच्छ ऊर्जा की लागत को कम करने में प्रौद्योगिकी अहम भूमिका निभाएगी।

हरित रोजगार के साथ बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा बचेगी

रिलायंस समूह के प्रमुख ने कहा कि इस ऊर्जा अंतरण की प्रक्रिया में हरित रोजगार पैदा होने के साथ ही बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी। भारत इस समय अपनी तेल एवं कोयला जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात करता है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में भारत का उदय एक आईटी महाशक्ति के रूप में हुआ है लेकिन अगले 20 वर्षों में यह ऊर्जा एवं जीवन विज्ञानों में एक महाशक्ति के तौर पर उभरकर सामने आएगा।